डीबी डिजिटल मीडिया

प्रिंट मीडिया पार्टनर "प्रदेश सत्ता"

DB NEWS A Digital Media खबरें ऐसी जो याद रहे

■ वर्ष-01 ■ अंक-17 ■ बालोद, बुधवार 3 सितंबर 2025 ■ पृष्ठ-04 ■ मूल्य-4 रुपये

ऐसा तो हाल है: मुख्यमंत्री द्वारा घोषित सीसी रोड निर्माण में बरती जा रही लापरवाही, काम हुए एक महीना भी नहीं हुआ पड़ने लगी दरारें

- मामला राजा राव पठार वीर मेला स्थल का, समाज के पदाधिकारियों ने जताई नाराजगी
- काम अधूरा बता कर ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय अधिकारी कर रहे मामले में लीपापोती

डीबी डिजिटल मीडिया गुरूर (दीपक देवदास)।

बालोद जिले के गुरूर ब्लॉक के अंतिम छोर पर स्थित गांव कर्रेझर के तहत आने वाले आदिवासियों के प्रमुख धार्मिक स्थल राजा राव पठार में 450 मीटर लंबाई का बन रहा सीसी रोड भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ता नजर आ रहा है। इस पठार के पास हर साल शहीद वीर नारायण सिंह के शहादत दिवस पर वीर मेला का आयोजन किया जाता है। जहां पिछले साल मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के आगमन के दौरान उनके द्वारा नेशनल हाईवे से लेकर मंदिर स्थल तक सीसी रोड की घोषणा की गई थी । इस घोषणा के बाद 38 लाख 50 हजार रुपए स्वीकृत भी हो गए। आरईएस विभाग के अंतर्गत यह काम हो रहा है। लेकिन स्थिति यह है कि एक महीने के भीतर ही सीसी रोड फटने लगी है। जगह-जगह सीसी रोड में दरार पड़ गई है। जिससे अभी से ही कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठने लगा है। मुख्यमंत्री द्वारा घोषित विभिन्न कार्यों में सीसी रोड के साथ-साथ यहां पुलिया निर्माण, प्रवेश द्वार निर्माण भी शामिल है। जो कार्य सीसी रोड के साथ-साथ धीरे-धीरे चल रहे हैं। पर सीसी रोड में पड़ने लगी दरारों को देखकर इसकी गुणवत्ता का सहज अंदाजा लगाया जा सकता है। मामले की जानकारी मिलने पर बीते दिनों कुछ जनप्रतिनिधि भी मौके पर देखने के लिए पहुंचे थे और विभाग को निर्माण कार्य में की गई लापरवाही को लेकर शिकायत की गई है। जिस पर आरईएस विभाग के अधिकारियों द्वारा मामले की जांच करने और सीसी रोड की मरम्मत के निर्देश दिए गए हैं। पर सवाल यही उठता है कि मुख्यमंत्री द्वारा घोषित इस कार्यक्रम में गुणवत्ता का किस कदर ख्याल रखा जा रहा है यह जग जाहिर हो रहा है। विभाग द्वारा किसी तरह की निगरानी ना होने से संबंधित ठेकेदार द्वारा अनियमितता पूर्वक काम कर दिया गया है। जहां एक ओर भाजपा सरकार सुशासन के दावे, भ्रष्टाचार मुक्त छत्तीसगढ़ की बात कहती है तो दूसरी ओर मुख्यमंत्री द्वारा घोषित कार्य में ही इस तरह से भ्रष्टाचार किया जाना शासन प्रशासन के दावों पर सवाल उठाता है। जानकारी के अनुसार उक्त घटिया निर्माण बालोद के एक ठेकेदार पुरुषोत्तम साहू द्वारा किया गया है।

मामले में कौन क्या कह रहे यह भी पढ़िए.....

52 गांव की आस्था का सवाल, नहीं होना चाहिए गुणवत्ता में कमी

जनपद पंचायत अध्यक्ष सुनीता संजय साहू ने कहा कि मामला गंभीर है, इसको लेकर विगत दिनों सामान्य सभा की बैठक में भी हमने मुद्दा उठाया था। गिट्टी की क्वालिटी को लेकर भी बात आई थी जिस पर इंजीनियर को फटकाई लगाई गई थी तो वहीं ठेकेदार द्वारा भी इसमें लापरवाही बरती जा रही है। यह राजा राव पठार 52 गांव के आदिवासी लोगों की आस्था से जुड़ा हुआ स्थान है। ऐसी जगह पर निर्माण कार्य में भ्रष्टाचार बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

जानकारी मिली है, जाकर देखूंगा

पूर्व जनपद अध्यक्ष प्रभात कुमार ध्रुवे ने कहा कि मामले की जानकारी मुझे भी मिली है। वीर मेला राजा राव पठार स्थल पर सीसी रोड बन रहा है, वह अभी से टूटने लगा है। ऐसा नहीं होना चाहिए । जाकर मैं भी देखता हूं कि क्या-क्या गड़बड़ी हुई है। बहुत पहले जब सीसी रोड बन रहा था तो समय-समय पर पानी तराई को लेकर मैंने ठेकेदार और उनके लोगों को कहा था। उनके द्वारा कहा जाता था कि बारिश होती है तो पानी डालने की जरूरत नहीं पड़ती। पर अब दरार आ रही है तो कहीं ना कहीं निर्माण में लापरवाही बरती गई है।

अधिकारी कह रहे एस्टीमेट में तकनीकी त्रुटि की बात

वीर मिला आयोजन समिति के अध्यक्ष यूआर गंगराले और सचिव कृष्णा ठाकुर ने कहा कि ठेकेदार द्वारा निर्माण में कोताही बरती गई है। हमें तो निर्माण में पूरी गुणवत्ता चाहिए। जब हमने इस संबंध में विभाग से जानकारी ली तो कहा जा रहा है कि एस्टीमेट में तकनीकी त्रुटि है। जिसके कारण यह परेशानी आई है। मिट्टी अंदर से धंस गई है। बात चाहे जो भी हो काम सही होना चाहिए। अधिकारियों ने हमें जहां-जहां दरार आई है उनकी मरम्मत का आश्वासन दिया है।

करवाएंगे मरम्मत....आर ई एस एसडीओ रामनारायण मारकन्डेय ने कहा कि मुझे भी जानकारी मिली है। बता रहे है कि कुछ जगह दरार आने लगा है। जिनका मरम्मत कराया जाएगा।

अभी रनिंग में है काम, मरम्मत हो जाएगा-इंजीनियर व्यास नारायण ने बताया कि अभी सीसी रोड का काम निर्माणाधीन है। 450 मीटर लंबाई का बनना है, जिसमें लगभग 300 मीटर का काम हो चुका है। बाकी काम जारी है। जहां दरार आ रही है उस हिस्से को काटकर मरम्मत कर दिया जाएगा

भरदाकला में भरा है पानी: स्कूल परिसर बना तालाब, कई बार मांग के बावजूद सरकार नहीं दे रही ध्यान

डीबी डिजिटल मीडिया गुण्डरदेही

यह नजारा है भरदाकला के मिडिल और हायर सेकेंडरी स्कूल का, जहां पर बारिश के बाद इस तरह से तालाब जैसा पानी भरा हुआ है। इससे स्कूली बच्चों को काफी परेशानी हो रही है। सरपंच क्रांति भूषण साहू ने बताया कि कई बार स्कूल के मैदान के समतलीकरण और नाली निर्माण की मांग की जा चुकी है। लेकिन सरकार द्वारा इस पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। स्कूल में अतिरिक्त कमरे की भी जरूरत है। इस संबंध में जन दर्शन में छात्र-छात्राओं द्वारा सामूहिक रूप से मांग की गई है कि शासकीय उच्च

माध्यमिक शाला भरदाकला में कक्षा के लिए कमरा, शिक्षकों के लिए गाड़ियां व बच्चों के साइकिल रखने

के लिए स्टैंड की कमी है। बारिश के समय स्कूल मैदान में पानी भर जाता है। इससे आने-जाने में असुविधा होती है साथ-साथ पढ़ाई लिखाई में भी परेशानी होती है। पिछले सत्र में ग्रामीणों द्वारा आमरण अनशन किया गया था तब जाकर तीन कमरे का निर्माण हुआ है। पर आज भी 6 कमरे की आवश्यकता है इसलिए 6 कमरे, स्कूल परिसर में साइकिल स्टैंड, स्कूल परिसर में समतलीकरण सह नाली निर्माण की स्वीकृति की मांग स्कूली बच्चों ने भी की है

कलेक्टर ने आदिवासी बहुल ग्राम मंगलतराई के स्कूली बच्चों संग मनाया जन्मदिन, बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ का भी दिया संदेश

न्योता भोज में जिला प्रशासन के आला अधिकारी, कर्मचारी, जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण हुए शामिल

डीबी डिजिटल मीडिया बालोद

कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा ने जिले में अभिनव एवं शिष्ट परपंरा की शुरूआत करते हुए 02 सितंबर को अपना जन्मदिन जिले के डौण्डी विकासखण्ड के आदिवासी बहुल ग्राम मंगलतराई के स्कूली बच्चों के साथ मनाया। कलेक्टर श्रीमती मिश्रा ने अपने जन्मदिन के अवसर पर स्कूली बच्चों, ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों के साथ-साथ उपस्थित अधिकारी-कर्मचारियों को न्योता भोज भी दिया। इस अवसर पर उन्होंने स्कूली बच्चों और ग्रामीणों के साथ शासकीय प्राथमिक शाला मंगलतराई में जमीन में बैठकर न्योता भोज ग्रहण किया। इस दौरान कलेक्टर श्रीमती मिश्रा ने स्कूली बच्चों के लिए स्वयं प्लेट लगाकर उन्हें भोजन भी परोसा। कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा के जन्मदिन के अवसर पर स्कूली बच्चों, शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं ग्रामीणों ने केक काटकर उन्हें जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। आयोजन के जरिए बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का संदेश भी दिया गया। इस अवसर पर कलेक्टर श्रीमती मिश्रा ने विद्यार्थियों को स्कूल बैग, टॉफी प्रदान कर अपना अपार आत्मीय दुलार एवं स्नेह प्रदान किया। इस मौके पर कलेक्टर श्रीमती मिश्रा ने स्कूली विद्यार्थियों को पढ़ाई-लिखाई के संबंध में समझाईश भी दी। उन्होंने कहा कि जीवन में आगे बढ़ने के लिए अच्छी शिक्षा अत्यंत आवश्यक है। कलेक्टर ने बच्चों को पूरे मनोयोग तथा निष्ठा एवं ईमानदारी के साथ पढ़ाई-लिखाई कर जीवन में उपलब्धि हासिल कर अपने संस्थान, माता-पिता एवं परिवार का नाम रोशन करने को कहा। जिला प्रशासन के मुखिया द्वारा वनांचल के आदिवासी बहुल ग्राम में पहुँचकर स्कूली बच्चों के साथ अपना जन्मदिन मनाने की अभिनव एवं शिष्ट परंपरा की शुरूआत की सभी वर्ग के लोगों ने भूरी-भूरी सराहना की। इस मौके पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सुनील चंद्रवंशी, अपर कलेक्टर श्री चंद्रकांत कौशिक एवं श्री अजय किशोर लकरा सहित एसडीएम डौण्डी श्री सुरेश साहू, एसडीएम डौण्डीलोहारा श्री शिवनाथ बघेल, एसडीएम गुण्डरदेही श्रीमती प्रतिमा ठाकरे झा, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती प्राची ठाकुर एवं जनपद उपाध्यक्ष श्री भोलाराम नेताम, सरपंच श्रीमती चंद्रिका सोरी के अलावा जिला स्तरीय अधिकारियों तथा बड़ी संख्या में स्कूली विद्यार्थी, शिक्षक-शिक्षिका एवं ग्रामीणजन उपस्थित थे। कलेक्टर श्रीमती मिश्रा ने अपने जन्मदिन के अवसर पर स्कूली बच्चों, ग्रामीणों एवं अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा बड़ी संख्या में उपस्थित होकर पूरा उत्साह एवं आत्मीयता के साथ जन्मदिन मनाने के लिए सभी को हृदय से धन्यवाद ज्ञापित करते हुए विनम्र आभार व्यक्त किया। इस दौरान मौके पर उपस्थित कक्षा 7वीं की विद्यार्थी कुमारी हिना के परिजनों द्वारा छात्रा के किडनी संबंधी बीमारी के इलाज हेतु मदद के लिए आवेदन प्रस्तुत किए जाने पर कलेक्टर श्रीमती मिश्रा ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा शिक्षा विभाग के अधिकारियों को तलब कर बच्ची की इलाज की समुचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर कलेक्टर श्रीमती मिश्रा ने शाला परिसर में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत पौधरोपण भी किया। उन्होंने मौके पर उपस्थित शिक्षक-शिक्षिकाओं को शाला परिसर में रोपे गए पौधों का समुचित देखभाल की व्यवस्था सुनिश्चित कराने को कहा।

हार की हताशा में कांग्रेस का निकृष्ट वार, मोदी जी की स्वर्गीय माता जी का किया अपमान : आदित्य पिपरे

डीबी डिजिटल मीडिया गुरूर

देश की राजनीति में मतभेद होना स्वाभाविक है, विचारों में टकराव भी लोकतंत्र की सुंदरता है, लेकिन जब राजनीति इतनी नीचे गिर जाए कि वह एक बेटे की स्वर्गीय माता जी का अपमान करने लगे, तब यह केवल राजनीति नहीं रह जाती, यह हमारे संस्कारों और सभ्यता पर सीधा प्रहार बन जाती है। यही काम आज कांग्रेस ने किया है। राहुल गांधी, जो स्वयं को युवा और संवेदनशील नेता कहलाने का दावा करते हैं, उनके ही इशारे और मौन सहमति से उनके कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की दिवंगत माता जी के प्रति अभद्र और अमर्यादित भाषा का प्रयोग किया। उक्त बातें भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष आदित्य पिपरे ने कही। उन्होंने कहा कि यह कोई सामान्य गलती नहीं है, यह देश की हर माँ के सम्मान पर चोट है। भारतीय संस्कृति में "माँ" को देवी का स्थान दिया गया है, और जो पार्टी अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए माँ की पवित्रता तक को कलंकित कर दे, वह न केवल सत्ता की हकदार नहीं बल्कि समाज की तिरस्कार की पात्र है। बिहार चुनाव में आसन्न हार का भय कांग्रेस और राहुल गांधी की सोच को इस हद तक गिरा चुका है कि अब उनके पास न तो मुद्दे बचे हैं, न दृष्टि, और न ही जनसमर्थन। बचा है तो केवल अपशब्दों का विष और घृणित राजनीति का हथियार। राहुल गांधी को यह समझ लेना चाहिए कि नरेंद्र मोदी जी पर व्यक्तिगत हमला करना, उनकी माता जी का अपमान करना, वास्तव में भारत की उस जनभावना को ठेस पहुँचाना है जिसने उन्हें प्रधानमंत्री बनाया और बार-बार कांग्रेस को नकारा। यह केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि 125 करोड़ भारतीयों की माँओं का अपमान है।हम कांग्रेस पार्टी से सीधा सवाल पूछते हैं—क्या यही उनकी लोकतांत्रिक सोच है? क्या यही उनके संस्कार हैं? क्या यही वह कांग्रेस है जिसने कभी भारत को स्वतंत्रता दिलाई थी, या यह वही कांग्रेस है जिसने दशकों तक इस देश को परिवारवाद, भ्रष्टाचार और सांस्कृतिक पतन की राह पर ढकेला? श्री पिपरे ने कहा कि भारत की जनता इस अपमान को कभी नहीं भूलेगी। बिहार ही नहीं, पूरे देश में हर गली, हर गाँव, हर शहर के लोग इस निकृष्ट राजनीति को करारा जवाब देंगे। और वह जवाब किसी मंच से नहीं, सीधे मतदान पेटी से आएगा। हम कांग्रेस और राहुल गांधी से मांग करते हैं कि वे तुरंत प्रधानमंत्री मोदी जी और पूरे देश से माफी माँगे, दोषी कार्यकर्ताओं पर कठोर कार्रवाई करें और भविष्य में इस प्रकार की घृणित राजनीति करने से पहले भारत की मातृशक्ति के सम्मान को याद रखें।

समाचार संक्षेप

बड़भूम में नवाखाई पर हुआ रात्रिकालीन रामधुनी का कार्यक्रम

डीबी डिजिटल मीडिया गुरूर । ग्राम बड़भूम में नवयुवक मंडल गणेश उत्सव समिति के द्वारा नवाखाई के पावन अवसर पर रात्रिकालीन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।जिसमें जय मां शीतला रामधुनी मंडली ग्राम परसाही के कलाकारों के द्वारा पावन प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम में अतिथि के रूप मे ग्राम विकास समिति के अध्यक्ष श्री साधु राम कुरैटी, सरपंच शिला संदीप यादव,दयालु कुंजाम ,रामाधार कुंजाम उपसरपंच,आसाराम सलाम, जोहर उइके,भाव सिंह जूरी रहे। नवयुवक मंडल अध्यक्ष रिमेंद्र कुंजाम, उपाध्यक्ष पिंटू कुंजाम,तरुण मंडावी,सचिव रामनारायण उइके, कोषाध्यक्ष दुष्यन्त उईके,शीतेश्वर हिड़को, सरंक्षक जैल सिंह उईके,प्रमोद कुंजाम, दिगेश कांगे, सदस्य चंदन कुरैटी,कमलेश उईके,रूपेश मंडावी,दिनेश कांगे,सहित ग्रामवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन शिवम कुरैटी ने किया।

"मन की बात" कार्यक्रम में बालोद जिला, प्रदेश में दूसरे स्थान पर

डीबी डिजिटल मीडिया बालोद। रविवार को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के लोकप्रिय कार्यक्रम "मन की बात" का 125वां एपिसोड पूरे देशभर में बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ सुना गया। छत्तीसगढ़ प्रदेश में इस कार्यक्रम को सुनने के मामले में बालोद जिला ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए प्रदेश में दूसरा स्थान प्राप्त किया। इस उपलब्धि पर भारतीय जनता पार्टी, जिला बालोद के जिला अध्यक्ष, वरिष्ठ नेता, जनप्रतिनिधि, मंडल अध्यक्ष, मोर्चा एवं प्रकोष्ठ के पदाधिकारी, बूथ अध्यक्ष, शक्ति केंद्र प्रभारी एवं समस्त कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को बधाई दी और इसे संगठनात्मक एकता व समर्पण का प्रतीक बताया। जिला संयोजक श्री शरद ठाकुर एवं सह-संयोजक श्री रिंकू राजीव शर्मा ने इस सफलता के लिए सभी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि, "हमारा प्रयास रहेगा कि आने वाले समय में 'मन की बात' कार्यक्रम को और अधिक लोगों तक पहुँचाया जाए ताकि हमारा जिला अगली बार प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त करे।" कार्यक्रम को सफल बनाने में जिले के सभी कार्यकर्ताओं का उत्साह, अनुशासन और समर्पण सराहनीय रहा

ठेमाबुजुर्ग में ठेकेदार दिखा रहे जल जीवन मिशन में गुणवत्ता को ठेंगा! पानी टंकी पूरी बनी नहीं और अभी से होने लगा सीपेज

ग्रामीणों का आरोप :शिकायत करते हैं तो ठेकेदार देते हैं धमकी, 9 महीने में बन जाना था, पर डेढ़ साल बाद भी है निर्माण अधूरा

डीबी डिजिटल मीडिया डौंडी

जल जीवन मिशन के अंतर्गत लोगों के घरों तक पानी पहुंचाने के लिए भारत सरकार करोड़ों रुपए खर्च कर रही है, लेकिन दूसरी ओर ठेकेदार और पीएचसी विभाग के अधिकारियों की सांठगांठ के चलते यह योजना भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ रही है। ऐसा ही एक मामला ठेमाबुजुर्ग गांव में सामने आया है। जहां पेयजल के लिए पानी टंकी का निर्माण किया जा रहा है जो बरसात के दिनों में पानी भरने के बाद सिपेज भी हो रहा है। जिससे इसकी गुणवत्ता पर सवाल उठने लगे हैं। ऐसे में यह टंकी पूरी तरह बन भी जाए तब भी लोगों की प्यास बुझाने में सक्षम नहीं होगी। क्योंकि ठेकेदार ने ना तो टंकी का निर्माण ठीक से किया है और ना ही पाइपलाइन बिछाने में गुणवत्ता का ध्यान रखा है। इसकी जानकारी पीएचई विभाग के अफसरों को होने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। जिससे साफ पता चलता है कि इन सब के बीच सरकारी राशि का बंदरबांट हो रहा है । अगर ऐसा ही चलता रहा तो यह योजना मात्र दिखावा बनकर ही रह जाएगा और लोग प्यासे ही रहेंगे। जल जीवन मिशन कार्य के नाम कार्यों को या तो अधिकारी धूल खिला रहे है या इसे जानबूझकर अमलीजामा पहनाना नहीं जाया जा रहा है। बालोद जिले के एक मात्र आदिवासी बनचांल क्षेत्र डौंडी ब्लाक अंतर्गत ठेमाबुजुर्ग ग्राम में बना पानी टंकी में ठेकेदार की तूती बोलती है। ठेकेदार मनमानी करते हुए सरपंच सहित ग्रामीणों को धमकाता रहता है कि मेरा कलेक्टर से शिकायत कर कर लो, कुछ नहीं होने वाला है। ग्रामीणों ने बताया कि पेयजल टंकी निर्माण 29/6/2022 को कार्यादेश जारी करने की तिथि और कार्य पूर्ण करने की अंतिम तिथि 9 माह थी। डेढ़ साल बाद भी टंकी में जगह- जगह से रिसाव होकर पानी बहता रहता है। उनकी आवाज को ठेकेदार धमकाकर दबा दे रहा है। ऐसे में ग्रामीण अपनी फरियाद लेकर कहां जाए? क्योंकि विभाग के अफसर भी उनकी बात नहीं सुनते। ग्रामीणों के अनुसार पानी टंकी से 200 घरों तक पाइप लाइन पहुंचना था वह भी 9 माह तक टूटी हालत में है। पानी टंकी से पानी ऐसे टपकता है जैसा फौव्वारा निकल रहा है। गांव में आधे पाइप लाइन भी नहीं बिछा है। जहां बिछा है वहां अमानक स्तर का है।

इस तरह से गांव में नल जल योजना केवल भ्रष्टाचार की चारागाह बन गया है। अधिकारी व ठेकेदार अपनी जेबे भर रहे है और ग्रामीण पानी के लिए टकटकी लगाए है। अगर इस मामले की उच्च स्तरीय जांच की जाए तो पोल खुल जाएगी। इस संबंध में पीएचई विभाग के एसडीओ नितिन ठाकुर से बात करने पर कहा गया कि मोटर लाइन का कार्य चार माह से चालू है, कंपलीट होते होते ही पानी टंकी सुचारु रूप से शुरू किया जाएगा

टीचर्स एसोसिएशन ने स्थानीय समस्याओं के निराकरण के लिए बीईओ को सौंपा

पेंशन प्रकरण, लंबित एरियर्स, अर्जित अवकाश, शाला संचालन, पासबुक व सेवा पुस्तिका संधारण आदि के लिए की चर्चा

डीबी डिजिटल मीडिया गुरूर/बालोद

छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन ब्लॉक गुरुर के पदाधिकारियों ने शिक्षक एल बी संवर्ग की विभिन्न स्थानीय समस्याओं के निराकरण के लिए गुरूर विकासखंड शिक्षा अधिकारी ललित चंद्राकर से कार्यालय में मुलाकात कर चर्चा की व ज्ञापन सौंपा । सौंपे गए ज्ञापन में सह संज्ञानात्मक, पाठ्येतर गतिविधियों के उद्देश्य पूर्ति के लिए शनिवार को प्रातःकालीन शाला संचालन के विषय ,सेवा निवृत शिक्षकों की पेंशन प्रकरण को निराकृत करने व समस्त स्वत्वों के भुगतान,संविलियन पूर्व की समयमान वेतनमान का लंबित एरियर्स ,सर्व शिक्षा अभियान,आर एम एस ए के लंबित महंगाई भत्ता का एरियर्स,सर्विस बुक संधारण,सी जी जी पी एफ पासबुक संधारण,सेवा पुस्तिका की द्वितीय प्रति का नियमित संधारण करने व लोकसभा निर्वाचन के समय व प्राचार्यों के ग्रीष्मकालीन सेवा के लिए अर्जित अवकाश आदि विषयों पर चर्चा कर ज्ञापन सौंपा गया। विकास खंड शिक्षा अधिकारी द्वारा पेंशन प्रकरण सहित सभी विषयों व समस्याओं का शीघ्र निराकरण का आश्वासन दिया गया। छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन की ओर से ज्ञापन सौंपकर चर्चा करने वालों में प्रमुख रूप से जिला अध्यक्ष दिलीप साहू,ब्लॉक अध्यक्ष सूरज गोपाल गंगबेर,जिला उपाध्यक्ष वीरेंद्र देवांगन,जिला सचिव नरेंद्र साहू,जिला संगठन सचिव रिखी राम ध्रुव,ब्लॉक उपाध्यक्ष हरीश साहू,सचिव जगतराम साहू,भूपेंद्र पांडेय आदि प्रमुखरूप से मौजूद थे

"एक रचना आपकी"

विमला (बिंदिया)रानी गंगबेर

"जिंदगी"

रफ्ता रफ्ता जिंदगी यूं गुजर गई,
कतरा कतरा बनके समुंदर सा थम गई।
लम्हा लम्हा यूं पिरोया जिंदगी को,
फिर भी रह गया सुना बंदगी को।
वह, वह थी जो रो-रो कर जीत जाती थी, चाहे दूर तलक हो ख्वाहिशें पास अपने लाती थी।
जाना उसने मंजिल का खूबसूरत होना जरूरी नहीं था, सफर का होना जरूरी था,
राह की खूबसूरती न सही हमराही का होना जरूरी था।
चाहती तो बहुत कुछ है पर आरजू कुछ और नहीं,
यूं तो सब अपने हैं पर वक्त आने पर कोई और कहीं कोई और नहीं।

विभिन्न मांगों को लेकर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिका संयुक्त मंच ने किया प्रदर्शन

डीबी डिजिटल मीडिया गुरूर

अपनी जायज और लंम्बित मांगो के पूर्ति हेतु ध्यानाकर्षण करने पर संचालनालय से धमकी भरा पत्र और सेवा से बर्खास्त किये गये संघ पदाधिकारियो और सदस्यो को सेवा मे तत्काल बहाल करने के संदर्भ में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका संयुक्त मंच के तत्वाधान में गुरुर में धरना प्रदर्शन किया गया। इस दौरान मंच के पदाधिकारियों ने अपनी बात रखते हुए कहा कि महिला एवं बाल विकास विभाग के अन्तर्गत आंगनबाड़ी केन्द्रो मे पदस्थ कार्यकर्ता सहायिकाओ की मूलभूत समस्या और केन्द्र के संचालन मे आने वाली समस्या के निराकरण हेतु समय समय पर शासन का ध्यानाकर्षण करने और अपनी बातो को शासन प्रशासन के पास मुखरता से रखी जा सके इस हेतु छत्तीसगढ़ सरकार के नियमावली के अनुसार कई संगठन पंजीकृत हुए है.और समय समय पर अपनी अपनी स्तर से समस्याओ के निराकरण हेतु शासन प्रशासन से निवेदन करते है । समय पर निराकरण नही होने के स्थिति मे प्रजातांत्रिक प्रक्रिया की व्यवस्था के तहत शान्तिपूर्ण ढंग से धरना .प्रदर्शन और रैली आयोजित कर अपनी बात को रखते आ रहे हैं। जिसमे कार्यकर्ता सहायिकाओ के हित और विभागीय योजनाओ के संचालन मे व्यवहारिक रूप से आ रही समस्या के निराकरण की बात भी मांगो में रहता है।

जिसकी शुरूवात सबसे पहले विभागीय स्तर के अधिकारियो को समय पूर्व आवेदन और सूचना देकर निराकरण करने की आग्रह किया जाता रहा है। लेकिन समय पर सार्थक पहल/बैठक कर बिन्दुवार चर्चा ओर निराकरण नही होने के कारण धरना प्रदर्शन की स्थिति किसी भी संघ के साथ निर्मित होती है। ऐसी बातो को जब हमारे संघ पदाधिकारी जनहित.विभाग हित और स्वहित बचाव में जब मुखरता से उठाते है तो उनकी आवाज को दबाने के लिये मानदेय काटना,सेवा से बर्खास्त और नोटिस पर नोटिस देकर फाईल तैयार कर संघ प्रतिनिधियो के ऊपर भय और दबाव बनाकर विभागीय अधिकारी मनमानी करना चाहते है. आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिकाओ को जब काम के बदले दाम देने की बात की जाती तो मानसेवी बता दिया जाता है। केन्द्र और राज्य सरकार के अधिन होने की बात की जाती है। लेकिन जब छोटी मोटी गलती हो तो शासकीय कर्मचारियो से भी कठोर दण्ड अर्थात सेवा बर्खास्तगी या फिर मानदेय काट कर आर्थिक नाका बंदी की प्रताड़ना आम बात हो गई है। मोबाइल में कई आनलाईन कार्य करना और रिकार्ड भी रखना पड़ता है। फिल्ड में कई समस्याये है. यह सभी कार्य 5G मोबाईल या टेबलेट और पर्याप्त नेट के बिना संभव नही है.दूरांचल,.वनाचलो में हमेशा नेट.प्राब्लम रहता है जिस दिन नेट काम नही किया.जानकारी और फोटो फेस कैप्चर नही हुआ उस दिन की मानदेय कट जाएगा.इसी तरह हितग्राहियो को पोषण आहार और THR वितरण मे भी हितग्राहियो के पास मोबाईल होना अनिवार्य है यदि मोबाइल नही है तो ये सभी सुविधा महिला एवं बाल विकास की नही मिलेगा। हितग्राही के मोबाइल मे ओटीपी लेना भी आज की स्थिति मे एक बड़ी कठिन समस्या बनी हुई है। विभाग अधिकारियो से जमीनी स्तर की समस्या को हल करने की बात संघ प्रतिनिधि जब करते है तो निराकरण करने की बजाय सेवा समाप्ती.मानदेय कटौती की धमकियां ही अभी तक मिलती है।

वित्त मंत्री से की गई एलआईसी की बीमा प्रीमियम पर लागू 18% जीएसटी को हटाने का निवेदन

डीबी डिजिटल मीडिया बालोद । बालोद के वरिष्ठ बीमा सलाहकार अजीत साहू ने निर्मला सीतारमण, वित्त मंत्री, भारत सरकार वित्त मंत्रालय, नई दिल्ली को मेल कर जीवन बीमा और स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम पर लागू 18% GST को पूर्णतः हटाने हेतु निवेदन किया है। वर्तमान में जीवन बीमा और स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम पर 18% वस्तु एवं सेवा कर (GST) लागू है, जो आर्थिक रूप से मध्यम और निम्न–मध्यम वर्गीय परिवारों के लिए बीमा कवर लेना अत्यधिक महँगा बना देता है।

समस्या की पृष्ठभूमिः

बीमा का मुख्य उद्देश्य परिवार को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करना और लोगों में दीर्घकालिक बचत (Long-term Savings) की प्रवृत्ति को बढ़ावा देना है। किंतु प्रीमियम पर 18% GST का बोझ उपभोक्ताओं को बचत और बीमा पॉलिसी लेने से हतोत्साहित कर रहा है। इस कारण से अनेक लोग जीवन बीमा और स्वास्थ्य बीमा लेने से वंचित रह जाते हैं, जिससे सरकार के वित्तीय समावेशन और सामाजिक सुरक्षा के उद्देश्य पूरे नहीं हो पा रहे हैं। बीमा को "जीवन की अनिश्चितताओं से सुरक्षा" के रूप में देखा जाना चाहिए, न कि कर वसूली का माध्यम। इसलिए आग्रह किया गया है कि जीवन बीमा और स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम पर लागू 18% GST को पूर्णतः हटाया जाए। इस निर्णय से बीमा पॉलिसियाँ आमजन के लिए सुलभ होंगी और अधिक से अधिक लोग बीमा सुरक्षा व बचत से जुड़ सकेंगे। इससे समाज में आर्थिक सुरक्षा का दायरा विस्तृत होगा तथा सरकार की सामाजिक सुरक्षा व वित्तीय समावेशन योजनाओं को भी मजबूती मिलेगी ।

एनएचएम के कर्मचारियों ने गंगा मैया मंदिर तक निकाली मनोकामना यात्रा, माता को चढ़ाया चुनरी

डीबी डिजिटल मीडिया बालोद

छत्तीसगढ़ प्रदेश एनएचएम कर्मचारी संघ द्वारा नियमितीकरण/सविलियन, ग्रेड पे, लंबित 27% वेतन वृद्धि सहित 10 सूत्रीय मांगों को लेकर चल रहा अनिश्चितकालीन आंदोलन लगातार तेज हो रहा है। इस क्रम में मंगलवार को एनएचएम कर्मचारियों के हड़ताल का 16वा दिन था। एनएचएम बालोद के सभी कर्मचारियों ने पदयात्रा बस स्टैंड बालोद से गंगा मैया मंदिर प्रांगण तक मनोकामना यात्रा भारी बारिश के बीच की और माता को चुनरी चढ़ाया और मंदिर प्रांगण में बैठकर भजन पूजा किया गया। साथ ही साथ गंगा मैया मंदिर में मनोकामना ज्योति इस नवरात्र में जलाने का संघ की तरफ से निर्णय लिया गया ताकि कर्मचारियों की मांग जल्द से जल्द पूरी हो और शासन नियमितीकरण का आदेश जल्द से जल्द जारी करें। कर्मचारियों का कहना है कि शासन को 160 से अधिक ज्ञापन और निवेदन पत्र दिया गया जिस पर शासन द्वारा कोई भी पहल नहीं किया गया जिससे मजबूर होकर एनएचएम कर्मचारियों अनिश्चितकालीन हड़ताल में गए अभी भी शासन द्वारा कोई पहल नहीं किया जा रहा है और कर्मचारियों की आवाज को दबाने के लिए 24 घंटे में ज्वाइन करने का नोटिस दिया जा रहा है, ऐसा नहीं करने पर से सेवा समाप्ति की जाएगी, करके धमकाया जा रहा है ।

हमारी मांग जायज है। सरकार ने अपने घोषणा पत्र में वादा किया था कि 100 दिन में कमेटी का गठन कर कर्मचारियों की समस्या का निराकरण कर नियमित किया जाएगा परंतु 20 माह से अधिक का समय गुजर गया जिस पर सरकार द्वारा कोई कार्य नहीं किया गया। इतने समय में संघ द्वारा 160 से अधिक ज्ञापन सभी जिलों में कलेक्टर के माध्यम से पार्टी के जिला अध्यक्ष और सभी प्रतिष्ठित व्यक्तियों के माध्यम से शासन को ज्ञापन भिजवाया गया परंतु शासन के कान में जू तक नहीं रेंगी। इधर सांसद विजय बघेल के बाद सांसद बृजमोहन अग्रवाल द्वारा भी NHM कर्मचारियों की मांग जायज बताते हुए मुख्यमंत्री, स्वास्थ्य मंत्री से वार्ता और जरूरत पड़ने से केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा से भी बात करने की बात कही। हड़ताल में जिला अध्यक्ष श्री खिलेश साहू, उपाध्यक्ष प्रेम , संरक्षक दिनेश खर्कवाल, मीडिया प्रभारी चंदन गिरी सदस्य विकाश कुमार,हेमंत ,सरिता , डॉ इंद्र चंद्राकर,गार्गी,जयश्री नाग,युवराज सिन्हा , झरना, जीतेश्वरी, डॉ दुष्यंत निर्मलकर, डॉ नितुनारायण, प्रशांत ठाकुर,खेमलता,अनूप देशपांडे, आरती सिन्हा,डॉ मनीषा देवांगन, नंदनी ,टिकेश्वर, जयप्रकाश देशमुख,राहुल, पोषण, सुनील साहू,दुष्यंत सोनबोइर, प्रेम,नीलम सोनवानी, ईश्वर , सुनील महतो, प्रवीण नायक,योगेश साहू,मनीषा ठाकुर, डॉ यशवंत वर्मा,लोकेश धुर्वे, दिनेश,रितेश साहू, डॉ वीणा , डॉ श्रद्धा,विनोद,देवानंद रात्रें,जीतेश्वरी साहू, चंद्रिका,किशोर, हेमंत साहू, छबीली, रविकांत,ईश्वर दास और अन्य सभी कर्मचारी उपस्थित थे

संपादकः **माधुरी दीपक यादव**, सलाहकार संपादक-**यशवंत पुरी गोस्वामी**, उप संपादक- **मधू दीपक देवदास**,वेब मीडिया dailybalodnews.com, प्रिंट मीडिया पार्टनर- प्रदेश सत्ता ,संपादक - **मुनेंद्र यादव**